उमाशंकर जोशी

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» उमाशंकर जोशी: जीवन परिचय और साहित्यिक योगदान

प्रश्न 1 (आसान). उमाशंकर जोशी का जन्म कहाँ हुआ था?
उत्तर – गुजरात में

प्रश्न 2 (आसान). उन्होंने किस भाषा के साहित्य में ज़्यादा काम किया?
उत्तर – गुजराती साहित्य में

प्रश्न 3 (मध्यम). उमाशंकर जोशी को कौन सा प्रसिद्ध साहित्यिक पुरस्कार मिला था?
उत्तर – ज्ञानपीठ पुरस्कार

प्रश्न 4 (कठिन). उमाशंकर जोशी की कोई दो प्रमुख रचनाओं के नाम बताइए।
उत्तर – 'विश्वाशांति', 'गंगोत्री' (या 'निशीथ')

» कविता 'छोटा मेरा खेत' का केंद्रीय विचार: कवि-कर्म का रूपक

प्रश्न 5 (आसान). 'छोटा मेरा खेत' कविता में 'कागज़ का पन्ना' किसका प्रतीक है?
उत्तर – खेत का

प्रश्न 6 (आसान). कविता में 'क्षण का बीज' क्या दर्शाता है?
उत्तर – कवि के मन में आया विचार या भावना

प्रश्न 7 (मध्यम). कवि ने 'कल्पना के रसायनों' का प्रयोग क्यों किया है?
उत्तर – यह बताने के लिए कि कल्पना से ही बीज (विचार) पोषित होता है और कविता रूपी फसल में बदलता है, जैसे रसायन पौधों को बढ़ने में मदद करते हैं।

प्रश्न 8 (कठिन). 'रस का अक्षय पात्रा सदा का' पंक्ति द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहता है?
उत्तर – कवि बताना चाहता है कि साहित्य और कविता का आनंद कभी खत्म नहीं होता, यह एक अक्षयपात्र की तरह हमेशा भरा रहता है, जिससे पाठक बार-बार रस प्राप्त कर सकते हैं।

» 'छोटा मेरा खेत' में कल्पना, शब्द और अलौकिक रस-धारा

प्रश्न 9 (आसान). 'कल्पना का रसायन' से कवि का क्या अर्थ है?
उत्तर – कवि की रचनात्मक सोच और भावनाएँ जो विचार को विकसित करती हैं।

प्रश्न 10 (आसान). कविता से मिलने वाले 'रस' को 'अलौकिक' क्यों कहा गया है?
उत्तर – क्योंकि यह रस सामान्य आनंद से बढ़कर होता है और अनंत काल तक मिलता रहता है।

प्रश्न 11 (मध्यम). 'रोपाई क्षण की, कटाई अनंतता की' – इस पंक्ति का भाव स्पष्ट करो।
उत्तर – इसका मतलब है कि कविता लिखने में लगा समय तो थोड़ा होता है (क्षण भर की रोपाई), लेकिन उसका आनंद और प्रभाव (कटाई) हमेशा के लिए होता है, कभी खत्म नहीं होता।

प्रश्न 12 (कठिन). इस कविता के आधार पर सिद्ध कीजिए कि साहित्य की रचना भौतिक चीज़ों से कैसे अलग है।
उत्तर – भौतिक चीज़ें (जैसे खेत का अनाज) कुछ समय बाद खत्म हो जाती हैं, पर साहित्य से मिलने वाला रस (ज्ञान, आनंद) कभी खत्म नहीं होता। एक अच्छी किताब बार-बार पढ़ी जा सकती है और हर बार नया अनुभव देती है। साहित्य की कालजयी प्रकृति ही उसे भौतिक चीज़ों से अलग बनाती है।

» 'छोटा मेरा खेत' में 'रस का अक्षय पात्र' का अर्थ

प्रश्न 13 (आसान). 'अक्षय' शब्द का अर्थ क्या है?
उत्तर – जो कभी खत्म न हो।

प्रश्न 14 (आसान). 'रस का अक्षय पात्र' किस चीज़ के लिए प्रयोग हुआ है?
उत्तर – कविता के आनंद के लिए।

प्रश्न 15 (मध्यम). कविता के रस को कवि ने अनाज से अलग क्यों बताया है?
उत्तर – कवि ने कविता के रस को अनाज से इसलिए अलग बताया है क्योंकि अनाज एक बार कट जाने या खाए जाने के बाद खत्म हो जाता है, जबकि कविता का रस कितनी भी बार इस्तेमाल किया जाए, वह कभी खत्म नहीं होता और हमेशा नया बना रहता है।

प्रश्न 16 (कठिन). 'रस का अक्षय पात्र' यह वाक्यांश कविता की किस विशेषता को उजागर करता है?
उत्तर – 'रस का अक्षय पात्र' यह वाक्यांश कविता की 'कालजयी' और 'सार्वकालिक' विशेषता को उजागर करता है। इसका अर्थ है कि एक अच्छी कविता समय की सीमाओं से परे होती है। उसका आनंद पीढ़ियों तक बना रहता है, और हर युग के पाठक उससे जुड़ पाते हैं, उसका रस ले पाते हैं। यह उसकी चिरस्थायी प्रासंगिकता और अटूट आकर्षण को दर्शाता है।

» कविता 'बगुलों के पंख' का सौंदर्य वर्णन

प्रश्न 17 (आसान). 'कजरारे बादलों की छाई नभ छाया' - यहाँ 'कजरारे बादल' क्यों कहा गया है?
उत्तर – 'कजरारे बादल' का अर्थ है काजल जैसे काले बादल, जो शाम के समय आकाश में छाए हुए हैं।

प्रश्न 18 (आसान). कविता में 'श्वेत काया' किसके लिए इस्तेमाल किया गया है?
उत्तर – 'श्वेत काया' उड़ते हुए सफेद बगुलों के लिए इस्तेमाल किया गया है।

प्रश्न 19 (मध्यम). कवि इस दृश्य से अपनी आँखें 'चुराए लिए जाने' की बात क्यों करता है?
उत्तर – कवि ऐसा इसलिए कहता है क्योंकि वह दृश्य इतना मनमोहक और अद्भुत है कि उसकी आँखें उससे हट ही नहीं पातीं। वह उसमें पूरी तरह खो गया है और चाहता है कि कोई उसे इस जादू से बाहर निकाले।

प्रश्न 20 (कठिन). इस कविता में सौंदर्य वर्णन के लिए कवि ने 'वस्तुगत' और 'आत्मगत' दोनों का प्रयोग कैसे किया है?
उत्तर – वस्तुगत वर्णन में कवि काले बादलों और सफेद बगुलों के वास्तविक दृश्य को बताता है। आत्मगत वर्णन में वह उस दृश्य का अपने मन पर पड़ने वाले प्रभाव को बताता है, जैसे 'मेरी आँखें चुराए लिए जातीं' या 'हौले हौले जाती मुझे बाँध निज माया से'। इस तरह, पाठक को दृश्य और कवि के भाव दोनों का अनुभव होता है।

» 'बगुलों के पंख' में कवि पर सौंदर्य का प्रभाव और आत्मगत अनुभव

प्रश्न 21 (आसान). कवि को ऐसा क्यों लगता है कि 'बगुलों के पंख' उनकी आँखें चुराए लिए जा रहे हैं?
उत्तर – कवि को ऐसा लगता है क्योंकि बगुलों का सौंदर्य इतना मनमोहक है कि उनकी आँखें उस दृश्य से हट ही नहीं रहीं।

प्रश्न 22 (आसान). कविता में 'माया' शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में किया गया है?
उत्तर – 'माया' शब्द का प्रयोग बगुलों के सौंदर्य के उस जादू या आकर्षण के लिए किया गया है जो कवि को अपनी ओर खींच रहा है।

प्रश्न 23 (मध्यम). कविता के आधार पर बताइए कि कवि पर सौंदर्य का 'आत्मगत अनुभव' कैसे प्रकट होता है?
उत्तर – कवि पर सौंदर्य का आत्मगत अनुभव तब प्रकट होता है जब वे बाहरी दृश्य से सिर्फ़ प्रभावित नहीं होते, बल्कि अंदर से उसमें बंधा हुआ महसूस करते हैं और उससे मुक्ति की गुहार लगाते हैं। यह बाहरी दृश्य के उनके आंतरिक मन पर पड़े गहरे प्रभाव को दर्शाता है।

प्रश्न 24 (कठिन). 'सौंदर्य से बाँधने और बिंधने की चरम स्थिति' से आप क्या समझते हैं? 'बगुलों के पंख' कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – 'सौंदर्य से बाँधने और बिंधने की चरम स्थिति' का अर्थ है कि कोई सौंदर्य इतना प्रबल हो कि व्यक्ति उसमें पूरी तरह डूब जाए, अपनी चेतना खो दे और चाहकर भी उससे बाहर न निकल पाए। 'बगुलों के पंख' कविता में, कवि काले बादलों में उड़ते सफेद बगुलों के मनमोहक दृश्य में इतना लीन हो जाते हैं कि वे उसे देखते रह जाते हैं, उनकी आँखें उस दृश्य से चुराई जाती हैं, और वे स्वयं को उस 'माया' में बंधा हुआ महसूस करते हैं। वे उस सौंदर्य से मुक्त होने की प्रार्थना करते हैं, जो उनकी इस चरम मुग्धता को दर्शाता है।

» कविताओं में बिंब और रूपक अलंकार

प्रश्न 25 (आसान). कविता की पंक्ति में बिंब पहचानो: 'बच्चे पतंगों के रंगीन पर लिए उड़ते हैं'

उत्तर – रंगीन पतंगों और बच्चों के उड़ने का दृश्य बिंब।

प्रश्न 26 (आसान). निम्नलिखित में से रूपक अलंकार पहचानो: 'सागर सा गंभीर हृदय हो' या 'मन सागर'?

उत्तर – 'मन सागर' (क्योंकि मन को सागर का रूप दे दिया है, 'सा' नहीं लगा)।

प्रश्न 27 (मध्यम). इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है और क्यों? 'प्रेम की नाव में सवार होकर हम चल पड़े'

उत्तर – रूपक अलंकार। प्रेम को नाव का रूप दे दिया गया है, कोई तुलना नहीं की गई है।

प्रश्न 28 (कठिन). कविताओं में बिंब और रूपक अलंकार का प्रयोग कवि क्यों करते हैं? एक वाक्य में समझाओ।

उत्तर – कविताओं को सजीव, आकर्षक और प्रभावशाली बनाने के लिए, ताकि पाठक गहराई से जुड़ सकें और भावनाओं को महसूस कर सकें।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. उमाशंकर जोशी के साहित्यिक योगदान के मुख्य बिंदु क्या थे?

› पहला, उन्होंने गुजराती कविता को प्रकृति और आम जीवन के अनुभवों से जोड़ा।

› दूसरा, उन्होंने कालिदास और भवभूति जैसी महान रचनाओं का गुजराती में अनुवाद करके साहित्य को और समृद्ध किया।

› तीसरा, उन्होंने निबंधकार और आलोचक के रूप में भी महत्वपूर्ण कार्य किया, जिससे साहित्य की समझ और बढ़ी।

› चौथा, वे आधुनिकतावादी कवियों में से एक थे, जिन्होंने सरल भाषा में जीवन के सामान्य प्रसंगों पर कविताएं लिखीं।

› पाँचवाँ, उन्होंने आज़ादी की लड़ाई में भी योगदान दिया, जिससे उनका व्यक्तित्व और गहरा हुआ।

उत्तर – उमाशंकर जोशी ने गुजराती कविता को प्रकृति और आम जीवन से जोड़कर, महान कृतियों का अनुवाद करके, और निबंध व आलोचना में योगदान देकर भारतीय साहित्य को एक नई दिशा दी।

उदाहरण 2. कविता में 'क्षण का बीज' और 'अनंतता की कटाई' का क्या अर्थ है?

› पहला कदम: 'क्षण का बीज' का अर्थ है कवि के मन में किसी एक क्षण, यानी बहुत कम समय में, कोई विचार, कोई भावना या कोई कल्पना का अंकुर फूटना। यह बीज बहुत जल्दी, अचानक भी आ सकता है, जैसे 'अंधड़' का जिक्र है।

› दूसरा कदम: 'अनंतता की कटाई' का अर्थ है कि जब यह बीज कविता के रूप में विकसित हो जाता है, तो उस कविता से मिलने वाला आनंद, उसका रस, कभी खत्म नहीं होता। यह पीढ़ी दर पीढ़ी पढ़ा जाता है और हमेशा नया लगता है, जैसे एक किसान फसल काटता रहता है, वैसे ही कविता का रस अनंत काल तक मिलता रहता है, कभी कम नहीं होता।

› तीसरा कदम: इन दोनों का मतलब है कि एक छोटी सी प्रेरणा से शुरू हुआ कवि-कर्म एक ऐसी रचना को जन्म देता है जो समय की सीमाओं से परे जाकर अमर हो जाती है।

उत्तर – क्षण का बीज - किसी एक पल आया विचार या भावना। अनंतता की कटाई - उस कविता से मिलने वाला रस जो हमेशा रहता है, कभी खत्म नहीं होता।

उदाहरण 3. कवि ने 'छोटा मेरा खेत' में कविता-रचना के लिए कल्पना के 'रसायन' और 'अलौकिक रस-धारा' का वर्णन कैसे किया है?

› कवि ने 'कागज़ के पन्ने' को 'चौकोर खेत' और 'क्षण के विचार' को 'बीज' कहा है।

› इस बीज को 'कल्पना के रसायन' मिलते हैं, यानी कवि की सोचने की शक्ति और भावनात्मक गहराई।

› इन रसायनों से बीज गलकर शब्दों के अंकुर फूटते हैं, यानी विचार शब्दों का रूप लेते हैं।

› यही शब्द पल्लव-पुष्पों से नमित होकर कविता की फसल बन जाते हैं, जो पढ़ने वालों को 'अलौकिक रस-धारा' देती है।

› यह रस कुछ पल के लिए नहीं, बल्कि हमेशा के लिए मिलता रहता है, क्योंकि उत्तम साहित्य कालजयी होता है।

उत्तर – कविता में कल्पना एक रासायनिक प्रक्रिया की तरह काम करती है, जो विचार के बीज को शब्दों में बदलती है। इन शब्दों से बनी कविता से जो आनंद (रस) मिलता है, वह इतना गहरा और स्थायी होता है कि उसे 'अलौकिक रस-धारा' कहा गया है, जो हमेशा बहती रहती है।

उदाहरण 4. कवि ने 'छोटा मेरा खेत' कविता में 'रस का अक्षय पात्रा' किसे कहा है और क्यों?

› कवि ने 'रस का अक्षय पात्रा' कविता से मिलने वाले 'आनंद' या 'साहित्यिक रस' को कहा है।

› उन्होंने इसे 'अक्षय पात्रा' इसलिए कहा है क्योंकि यह रस खेत में पैदा होने वाले अनाज की तरह सीमित नहीं है।

› अनाज तो एक समय के बाद खत्म हो जाता है, पर कविता का आनंद असंख्य पाठकों द्वारा कितनी भी बार पढ़ा जाए, कितनी भी बार उसका रसास्वादन किया जाए, वह कभी कम नहीं होता, बल्कि हमेशा नया बना रहता है।

› यह आनंद हमेशा के लिए अटूट और शाश्वत होता है, कभी खत्म नहीं होता।

उत्तर – कवि ने कविता से मिलने वाले अनंत और अटूट आनंद को 'रस का अक्षय पात्रा' कहा है, क्योंकि यह कभी समाप्त नहीं होता।

उदाहरण 5. 'नभ में पाँती-बँधे बगुलों वेफ पंख, चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें।' - इन पंक्तियों में कवि किस सौंदर्य का वर्णन कर रहा है और क्यों?

› सबसे पहले, 'नभ में पाँती-बँधे बगुलों वेफ पंख' से पता चलता है कि आसमान में बगुलों का झुंड एक कतार में उड़ रहा है।

› फिर, 'चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें' से कवि का भाव स्पष्ट होता है कि वह इस दृश्य से इतना मंत्रमुग्ध है कि उसकी नज़रें हट नहीं पा रही हैं, मानो बगुलों ने उसकी आँखें चुरा ली हों।

› कवि यहाँ काले बादलों से घिरे आकाश में सफेद बगुलों की उड़ान का वर्णन कर रहा है, जो अत्यंत मनमोहक है।

› यह सौंदर्य इतना आकर्षक है कि कवि उसमें पूरी तरह खो जाता है और अपनी सुध-बुध भूल जाता है। यह दृश्य उसे अपनी ओर खींच रहा है।

उत्तर – कवि इन पंक्तियों में शाम के समय काले बादलों से भरे आसमान में पंक्तिबद्ध उड़ते हुए सफेद बगुलों के मनोहारी दृश्य का वर्णन कर रहा है। यह दृश्य इतना सुंदर है कि कवि की आँखें उसी पर टिकी रह जाती हैं, मानो बगुले उसकी आँखों को अपने साथ लिए जा रहे हों। कवि इस सौंदर्य से पूरी तरह बँध गया है।

उदाहरण 6. कविता में कवि 'उसे कोई तनिक रोक रक्खो' क्यों कहते हैं? इस पंक्ति से कवि के मन की किस स्थिति का पता चलता है?

› पहला कदम: कवि 'बगुलों के पंख' के सौंदर्य में पूरी तरह डूब गए हैं।

› दूसरा कदम: यह सौंदर्य उन्हें इतना मोहित कर रहा है कि उन्हें लगता है जैसे वे इसकी 'माया' में बंध गए हैं।

› तीसरा कदम: वे इस सुंदरता से इतना बँध चुके हैं कि अपनी सुध-बुध खो बैठे हैं और चाहते हैं कि कोई उन्हें इस जादू से बाहर निकाले।

› चौथा कदम: 'उसे कोई तनिक रोक रक्खो' कहकर कवि उस सौंदर्य को ठहरने के लिए या खुद को उससे बचाने के लिए कह रहे हैं, क्योंकि वे उसमें बहुत ज़्यादा लीन हो चुके हैं।

› पांचवां कदम: यह पंक्ति कवि के मन की चरम मुग्धता और असहायता की स्थिति को बताती है, जहाँ वे सौंदर्य के आकर्षण से उबरना चाहते हैं लेकिन सफल नहीं हो पा रहे।

उत्तर – इस पंक्ति से कवि के मन की उस स्थिति का पता चलता है जहाँ वे सौंदर्य में पूर्णतः लीन होकर अपनी सुध-बुध खो बैठे हैं, और चाहकर भी उस आकर्षण से मुक्त नहीं हो पा रहे। यह सौंदर्य से बँधने और बिंधने की चरम स्थिति है।

उदाहरण 7. पंक्ति: 'चरण कमल बंदौ हरिराई'

› पहचानो: यहाँ 'चरण' (पैर) की तुलना 'कमल' (फूल) से की गई है।

› देखो: क्या कोई तुलनात्मक शब्द (जैसे 'सा', 'के समान') है?

› पाओ: नहीं, कोई तुलनात्मक शब्द नहीं है। 'चरण' को 'कमल' का रूप ही दे दिया गया है।

› निष्कर्ष: अतः, यहाँ 'चरण' पर 'कमल' का आरोप है, इसलिए यह रूपक अलंकार है।

उत्तर – रूपक अलंकार

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• उनके जीवन परिचय और साहित्यिक योगदान से जुड़े प्रश्न अक्सर बोर्ड परीक्षा में आते हैं, खासकर उनके योगदान के मुख्य बिंदुओं को ज़रूर याद रखना।

• इस कविता से अक्सर 'कवि-कर्म के रूपक' को समझाने वाले प्रश्न आते हैं। हर प्रतीक (जैसे अंधड़, बीज, रसायन, रोपाई, कटाई) का अर्थ ध्यान से समझकर लिखना।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'कल्पना के रसायन' और 'अलौकिक रस-धारा' जैसे शब्दों की व्याख्या करने वाले प्रश्न अक्सर आते हैं, तो इन्हें अच्छे से समझना और याद करना।

• यह प्रश्न बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर आता है, खासकर व्याख्या वाले खंड में। 'रस का अक्षय पात्र' की तुलना खेत के अनाज से करके अंतर स्पष्ट करना और कविता के कालजयी होने का संबंध बताना बहुत महत्वपूर्ण है।

• इस कविता से अक्सर बिंब योजना और कवि के भाव-सौंदर्य पर प्रश्न पूछे जाते हैं। आपको दृश्य का वर्णन करने के साथ-साथ कवि की भावनाओं को भी स्पष्ट करना होगा।

• यह कविता बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, खासकर कवि पर सौंदर्य के प्रभाव और आत्मगत अनुभव पर आधारित प्रश्न अक्सर आते हैं। इन पंक्तियों का भावार्थ और कवि के मन की स्थिति को ध्यान से समझना।

• रूपक अलंकार बोर्ड परीक्षाओं में पहचानने और उसकी परिभाषा लिखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उदाहरणों को ध्यान से देखना और अभ्यास करना।

एक नज़र में रिवीज़न

› उमाशंकर जोशी: गुजराती कवि, प्रकृति व जीवन से जुड़ाव, अनुवादक, ज्ञानपीठ विजेता।

› कवि-कर्म को खेती का रूपक: कागज़ खेत, विचार बीज, कविता फसल, रस अनंत।

› कल्पना से शब्द, शब्दों से अलौकिक रस, साहित्य की कालजयी प्रकृति।

› कविता का 'रस का अक्षय पात्र' मतलब उसका अनंत, अटूट, कभी न खत्म होने वाला आनंद।

› काले बादलों में सफेद बगुलों की पंक्ति का मनोहारी, चित्रात्मक सौंदर्य वर्णन।

› कवि सौंदर्य में लीन, माया में बंधा, मुक्ति की गुहार – आत्मगत अनुभव।

› बिंब = शब्द-चित्र; रूपक = उपमेय में उपमान का आरोप (भेद रहित)।